

---

# Shri Kubacharyapranitam Shrirama Ashtakam

---

## श्रीकुबाचार्यप्रणीतं श्रीरामाष्टकं

---

### Document Information

---

Text title : Shri Kubacharyapranitam Shrirama Ashtakam

File name : shrIrAmAShTakaMkubAchArya.itx

Category : raama, rAmAnanda, aShTaka

Location : doc\_raama

Author : kubAchArya

Transliterated by : Mrityunjay Pandey

Proofread by : Mrityunjay Pandey

Description/comments : From Chatuh Sampradaya Dig-Darshanm

Latest update : December 3, 2023

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 3, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीकुवाचार्यप्रणीतं श्रीरामाष्टकं



(श्रीकेवलरामाचार्य)

निखिललोकतनुं मतिभक्तिगं श्रुतिशिरःपरिगीतसुकीर्तिकम् ।  
तनुभृतां कृतकर्मसुसाक्षिणं मनसि राममिनं सुधियं स्तुवे ॥ १ ॥

निगममार्गसभूतिकृते सदा मनुजदेहधृतं निजमायया ।  
मुनिपराशरपुत्रकृतेषु शं वहलसुन्दरसूत्रचयेषु यः ॥ २ ॥

विमलभाष्यकरः सद्नात्मजो भुवि सुभूय निषेध्यगुणच्युतम् ।  
निजजनाय दयोदधिकं न्वभूजगति सर्वगतं परिणौमि तम् ॥ ३ ॥

स्वशरणागतजीवसुरद्रुमं निशिचराग्निजलं प्रतिभायुतम् ।  
अवधधामविहारपरायणं निगमनिः श्वसनं करुणागृहम् ॥ ४ ॥

सदसि राजशिरोमणिवन्दितं शुभयशःकृतगोतलधौतकम् ।  
बहुशिरःकरपादविराजितं विधुदिवामणितोऽधिकभासुरम् ॥ ५ ॥

विपुलशक्तिभुवं ह्यवतारिणं विधिशिवादिनुतं जनमुक्तिदम् ।  
प्रणिपतामि हरि जगदीश्वरं त्रिविधतापमहोदधिकुम्भजम् ॥ ६ ॥


अरण्यं घनं शोधयन्तं यतीशं त्रिलोकस्य जन्मादिहेतुं वरेण्यम् ।  
परब्रह्मसंज्ञं प्रभुं राममीड्यं स्तुवे नित्यमूर्त्तिं तु कूवार्यवर्यः ॥ ७ ॥

शुभे झीथडापत्तनेलब्धरामः सदाऽऽनन्दभाष्यम्पठन सत्प्रतिज्ञम् ।  
अबोधान्धकाराय भानुं दयालुं भवाब्धौनुडन्तं जनं रक्षयन्तम् ॥ ८ ॥


इति श्रीकुवाचार्यप्रणीतं श्रीरामाष्टकं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by Mrityunjay Pandey

---

——  
*Shri Kubacharyapranitam Shrirama Ashtakam*

pdf was typeset on December 3, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

